

पाठ सूची—सह—साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम								
कक्षा — 8 : विषय —हिन्दी(भाषा मंजरी)								
क्रम संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	माह	सप्ताह	पाठ के उप विषयवस्तु	पृष्ठसंख्या	सीखने के प्रातिफल	
1	पुष्प की अभिलाषा	1—4	अप्रैल	प्रथम	कविता वाचन, सरलार्थ	1—2	- विभिन्न विषयों पर आधारित कविता को पढ़कर चर्चा करते हैं। - कविता को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों—भावात्मक (राष्ट्रप्रेम) को समझते हैं। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बननेवाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, समास, तत्सम और तद्भव	3—4		
2	छोटा जादूगर	5—12		तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	5—7		- अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं—कहानी। - किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं।
				चतुर्थ	पाठ वाचन और अर्थ	8—10		
3	मित्रता	13—20	मई	प्रथम	प्रश्न अभ्यास, प्रत्यय, संधि	11—12		
				द्वितीय	पाठ वाचन और अर्थ, प्रश्न अभ्यास,	13—18	- विभिन्न प्रकार की सामग्री (इस पाठ में निबंध विधा) की बारीकी से जाँच करते हुए उनका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु खोजते हैं। - किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसका कारण जानने की कोशिश करते हैं। - भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं।	
				तृतीय	शब्द युग्म तथा समास	19—20		
				चतुर्थ				
				प्रथम	ग्रीष्म अवकाश	गृह कार्य { पृ.सं. 01 – 20 }		
4	पथ की पहचान	22—26	जून	द्वितीय	कविता वाचन और अर्थ	22—24	- विभिन्न अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेलभाषा में अभिव्यक्त करते हैं। - अपने अनुभवों को अपनी भाषाशैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग अपने अनुभव लिखने में करते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न करते हैं।	
				तृतीय	प्रश्न अभ्यास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, तत्सम और तद्भव	25—26		
5	बड़े भाई साहब	27—40		चतुर्थ	पाठ वाचन और अर्थ	27—32		- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - पाठ्य पुस्तक में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए सराहना करते हैं। - अपने लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
				प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ, प्रश्न अभ्यास	32—38		
6	अशोक का शस्त्र त्याग	42—50	जुलाई	द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, मुहावरे और उनका प्रयोग	38—40		
				तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	42—48	- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बननेवाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। - विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। - हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (इस पाठ में नाटक विधा) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद—नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, तत्सम और तद्भव, मुहावरे और उनका प्रयोग	48—50		

7	डायन एक अंधविश्वास	51-56	अगस्त	प्रथम	कविता वाचन और अर्थ	51-53	- विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/ विषयों- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज, अंधविश्वासों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं। - दैनिक जीवन से अलग से किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे-सोशल मीडिया पर नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र। - अपने लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रख अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, समास, विलोम शब्द एवं प्रत्यय	54-56	
8	अमरुद का पेड़	57-65		तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	57-63	- कसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसका कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे-‘अमरुद के पेड़ के प्रति कुछ अंधविश्वास क्यों हैं?’ - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा शैली हमें लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों-निबंध, पत्र-लेखन आदि में कोई अनुभव लिखना।
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ कारक के चिह्न	63-65	
9	क्या निराश हुआ जाए	66-73		प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ	66-71	- किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण को जानने की कोशिश करते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, समास तथा प्रविशेषण	71-73	
10	राम का भरत को सन्देश	74-77	सितम्बर	तृतीय	कविता वाचन और अर्थ	74-77	- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। - कविता (दोहा-चौपाई) को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं और लिखते हैं। - विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं। जैसे-मुखिया का कर्तव्य।
				चतुर्थ	संभावित प्रथम योगात्मक मूल्यांकन		
11	झारखण्ड के सपूत	81-90	अक्टूबर	प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ, प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-प्रत्यय तथा मुहावरों का सार्थक प्रयोग	81-86	- विविध कलाओं के अंतर्गत नेतृत्व कला और इसमें प्रयोग होनेवाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं। - अपने पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित अभिव्यक्ति देते हैं।
				द्वितीय	पाठ वाचन और अर्थ, प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ	87-90	
12	बस की यात्रा	91-100		तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	91-93	- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। - व्यंग्य रचना को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं।
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-अनेकार्थक शब्द, विशेषण, स्वर्णिम घंटा तथा सड़क सुरक्षा	93-100	
13	हुंडरू का जलप्रपात	101-11	नवम्बर	प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ	101-107	- विभिन्न प्रकार की सामग्री-(यहाँ यात्रा संस्मरण विधा) को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु खोजते हैं। - अपने पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी ढंग से लिखते हैं। - किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदीर्घ सामग्री- मानचित्र इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-‘र’ के विविध प्रयोग	107-109	

14	बूढ़ी पृथ्वी का दुःख	113-118		तृतीय	कविता वाचन और अर्थ	113-115	- कविता पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों-वर्णनात्मक, भावात्मक प्रकृति-चित्रण को पहचानते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - अपने पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-देशज शब्द	116-118	
15	गुरु शिष्य	119-124	दिसम्बर	प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ	119-122	- संस्मरण विधा को पढ़कर पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु खोजते हैं। - किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। - अपने पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी ढंग से लिखते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-समास तथा संयुक्त शब्द	123-124	
16	अपराजिता	125-133		तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	125-130	- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बननेवाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। - अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
				चतुर्थ	शीतकालीन अवकाश		
17	पन्ना पन्ना बोलता है	134-139	जनवरी	प्रथम	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-विलोम शब्द, कारक तथा मिश्र वाक्य	131-133	- अपनी पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं। - किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरते पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे-शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। - अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं एवं स्वयं लिखते हैं जैसे-रिपोर्ट बनाना।
				द्वितीय	पाठ वाचन और अर्थ	134-135	
				तृतीय	पाठ वाचन और अर्थ	136-137	
				चतुर्थ	सन्दर्भ-प्रत्यय वाक्य-संश्लेषण	एवं 138-139	
18	तालाब बाँधता धरम सुभाव	140-148	फरवरी	प्रथम	पाठ वाचन और अर्थ	140-142	- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। - विविध कलाओं जैसे-वास्तुकला, खेती-बारी और इनमें प्रयोग की जानेवाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बननेवाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
				द्वितीय	पाठ वाचन और अर्थ	143-144	
				तृतीय	प्रश्न अभ्यास और भाषा सन्दर्भ-शब्द निर्माण, सन्दर्भ-पर्यायवाची शब्द और संधि-विच्छेद	145-146	
				चतुर्थ	जल है तो कल है	147-148	
पुनरावृत्ति एवं मूल्यांकन			मार्च	प्रथम	पुनरावृत्ति		
				द्वितीय	पुनरावृत्ति		
				तृतीय	पुनरावृत्ति		
				चतुर्थ	पुनरावृत्ति एवं द्वितीय योगात्मक मूल्यांकन		
मार्च : पुनरावृत्ति एवं द्वितीय योगात्मक मूल्यांकन							